BHN-35/V

Sl. No.

III Year B.A. Degree Examination, October/November - 2024

HINDI (Optional)

मध्यकालीन हिन्दी काव्य (सुंदरकांड), रस, छंद तथा अलंकार

(Non CBCS, SLM New Scheme)

Paper - V (Group-II)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

Instrucation to Candidate:-

All Sections are Compulsory

SECTION - A

I. किन्ही चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(4×5=20)**

1) सिंधु तीर एक भूधर सुंदर। कौतुक कूदि चृढेउ ता ऊपर
बार बार रघुवीर सँभारी। तरकेउ पवनतनय बल भारी।
जेहिं गिर चरन देइ हनुमंता। चलेउ सो गा पाताल तुरंता
जिमि अमोघ रघुपति कर बाना । येही भाँति चलेउ हनुमान।।

2) निसिचरि एक सिंधु महँ रहई। करि माया नभ के खग गहई
जीव जंतु जे गगन उडहिं। जल बिलोकि तिन्ह कै परिछाहिं।
गहर छाँह सक सो न उडाई। येहि विधि सदा गगनचर खाई
सोइ छल हनुमान कहँ कीन्हा। तासु कपटु कपि तुरतहिं चीन्हा।।

3) लंका निसिचर निकर निवासा। इहाँ कहाँ सज्जन कर बासा
मन महुँ तरक करैं कपि लागा। तेहीं समय बिभीषनु जागा।
राम राम तेहिं सुमिरन कीन्हा। हदयँ हरष कपि सज्जन चीन्हा
येहि सनु हठि करिहौं पहिचानी। साधु ते होइ न कारज हानी।।

4) तब देखी मुद्रिका मनोहर। राम नाम अंकित अति सुंदर
चकित चितव मुदरी पहिचानी। हरष विषद हृदयं अकुलानी।
जीति को सकइ अजय रघुराई। माया तें असि रयि नहिं जाई
सीता मन विचार कर नाना। मधुर बचन वोलेउ हनुमाना।।

5) मन संतोष सुनत कपि बानी। भगति प्रताप तेज बल सानी
आसिष दीन्हि राम प्रिय जाना। होहु तात बल सील निधाना।
अजर अमर गुनानिधि सुत होहू। करहूँ बहुत रघुनायक छोहू
करहुँ कृपा प्रभु अस सुनि काना। निर्भर प्रेम मगन हनुमाना।।

[P.T.O.

6) जदपि कही कपि अति हित बानी। भगति बिबेक बिरति नय सानी
बोला बिहँसि महा अभिमानी। मिला हमहिं कपि गुर बड ग्यानी।
मृत्यु निकट आई खल तोही। लागेसि अधम सिखावनं मोही
उलटा होइहि कह हनुमाना। मतिभ्रम तोर प्रगट मैं जाना।।

SECTION - B

II. किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

7) बीभत्स रस क्या हैं? उसके गुण और भावों पर प्रकाश डालिए।

8) रौद्र रस को परिभाषित करते हुए सोदाहरण समझाइए।

9) छंदों के कितने भेद हैं? सोदाहरण लिखिए।

10) छप्पय छंद के लक्षणों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

11) रुपक अलंकार के भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

SECTION - C

III. किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×15=30)**

12) सुंदरकांड के आधार पर अशोक वाटिका पसंग का वर्णन कीजिए।

13) छन्दों के कितने भेद हैं? सोदाहरण लिखिए।

14) भक्तिरस और वात्सल्य रस का अंतर स्पष्ट करते हुए इस रसों पर सोदाहरण लिखिए।

15) अतिशयोक्ति अलंकार के लक्षणों को उदाहरण सहित लिखिए।

———————